ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हिंदी विवि के दूर शिक्षा निदेशालय में तीन दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

शिक्षा में आईटीसी का अनुप्रयोग जरूरी : डॉ. भीमराय मेत्री

वर्धा, 05 जनवरी 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा दूर शिक्षा माध्यम से सत्र-2023-25 के बी.एड. अध्येताओं के लिए 'शिक्षा में आईसीटी के अनुप्रयोग' विषय पर 29 से 31 जनवरी को ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. भीमराय मेत्री ने कहा कि वैश्विक स्तर पर होनेवाले बदलाव को ध्यान में रखते हुए शिक्षा में आईसीटी का अनुप्रयोग प्रासंगिक है। डिजिटल एज, चाट जीपीटी, क्लाउड

कंप्यूटिंग, थ्री डी पेंटिंग, जनरेटिंग ए आई का प्रभाव शिक्षा पर हो रहा है। शिक्षक को केवल चॉक एंड टॉक के बजाए नई-नई शिक्षण विधियों का उपयोग कक्षा अध्यापन के लिए करना चाहिए। फ्लिप क्लासरुम, मॉडल क्लासरुम में अपनी कक्षाओं को परिवर्तित करने पर उन्होंने बल दिया। उन्होंने प्रतिभागी शिक्षकों को संदेश देते हुए कहा कि विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास के लिए बेहतर से बेहतर शैक्षिक परिवेश उपलब्ध कराना आवश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि यह नीति विद्यार्थियों के लिए सैद्धांतिक ज्ञान, कौशल विकास, प्रगल्भ अनुभव उपलब्ध कराती है।

दूर शिक्षा निदेशालय के निदेशक तथा कार्यक्रम के विशिष्ट व्यक्ता प्रो. आनंद पाटील ने कहा कि शिक्षक को प्रौद्योगिकी पर निर्भर न होकर आत्मनिर्भर बनना आवश्यक है। हम मनुष्य से मशीन की ओर बढ़ रहे हैं किंतु संवेगों का परिणामकारक प्रभाव होने के लिए मशीन से मनुष्य की ओर ले जाना है। 'ग्रंथ या पुस्तक की ओर चलो' यह महत्वपूर्ण संदेश उन्होंने दिया। इस दौरान दूर शिक्षा निदेशालय की एसो. प्रोफेसर डॉ. प्रियंका मिश्रा, डॉ. शंभू जोशी, अतिथि संकाय डॉ. आदित्य चतुर्वेदी, सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी, अनुसंधान अधिकारी डॉ. परिमल प्रियदर्शी मंचासीन थे।

राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरूणाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. नरेंद्र सिंह ने 'पीपीटी की संकल्पना, निर्मिति एवं नवाचार' विषय पर अपनी प्रस्तुति दी।'शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमता का उपयोग' विषय पर डॉ. एफ. एस. खान, सहायक प्रोफेसर, प्रगत शैक्षिक संस्थान, भोपाल ने प्रस्तुति की। डॉ. अंजनी कुमार राय ने 'लर्निंग मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर की शिक्षा में

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष :+91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

उपयोगिता' विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. निशांथ, सहायक प्रोफेसर, केंद्रीय विश्वविद्यालय, अरूणाचल प्रदेश ने शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में गूगल फॉर्म का निर्माण, उपयोग एवं परिणामों की खोज विषय पर प्रस्तुतिकरण किया। डॉ. चंदन बोरा, सहायक प्रोफेसर, स्नातकोत्तर विभाग, वाणिज्य एवं प्रबंधन विज्ञान, पिपल्स कॉलेज, नांदेड ने 'प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण की कला पर व्याख्यान दिया। आधुनिक शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में मिश्रित अधिगम उपागम विषय पर डॉ. गणेश चव्हाण, सह-प्रोफेसर, एस.एन.डी.टी. कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, पुणे परिसर, एस.एन.डी.टी. वुमेन्स यूनिवर्सिटी, मुंबई ने प्रस्तुति दी। शिक्षा में गूगल मीट, ज़ूम मीट के उपयोग पर हिंदी विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. धीरज मसराम ने वक्तव्य दिया। मुक्त शैक्षिक संसाधन का निर्माण: विद्यालयीन विद्यार्थियों के विशेष संदर्भ में इस विषय पर केंद्रीय विश्वविद्यालय, तमिलनाडु के सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. बीजु के. ने प्रस्तुति दी। हिंदी विवि के अतिथि संकाय डॉ. गुणवंत सोनोने ने अध्यापन आईसीटी का बहुआयामी अनुप्रयोग' विषय पर, डॉ. मंदार भानुषे, विभाग प्रमुख, विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, आइडॉल विश्वविद्यालय, मुंबई द्वारा 'शिक्षा के संदर्भ में ई-पाठ्यसामग्री एवं मुक्त शैक्षिक संसाधन का निर्माण' पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। शैक्षणिक ब्लॉग एवं शिक्षा से संबंधित वीडियों की उपयोगिता विषय पर हिंदी विवि के सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. प्रमोद जोशी द्वारा प्रस्तुति दी गई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के विशेष संदर्भ में प्रौद्योगिकी का उपयोग विषय पर हिंदी विवि के सहायक प्रोफेसर डॉ. हेमचंद ससाने ने सोशल मीडिया: ऑनलाइन शिक्षा का एक प्रभावशाली साधन विषय पर जी. एच.जी. लुधियाना, पंजाब के प्राचार्य, डॉ. पर्गत सिंह गरचा ने विचार रखे।

संपूर्ति सत्र में स्वागत वक्तव्य सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी ने दिया गया। प्रतिवेदन कार्यशाला के संयोजक डॉ. गुणवंत सोनोने ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन दूर शिक्षा निदेशालय के अतिथि संकाय डॉ. गुणवंत सोनोने एवं डॉ. तक्षा शंभरकर ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शंभू जोशी ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया।

कार्यशाला के सुचारु संचालन हेतु दूर शिक्षा निदेशालय के डॉ. सचिन हाडके, गुरुदास उघडे, नीलिमा कांबले, सचिन बोडखे, रामप्रवेश, संदीप राय, रोहिणी गायकवाड, आश्लेषा वानखड़े, वैशाली भोयर आदि ने सहयोग प्रदान किया।

हिंदी विश्वविद्यालयाच्या दूरशिक्षण निदेशालयात तीन दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाळा

शिक्षणात आईटीसीचा उपयोग आवश्यक : डॉ. भीमराय मेत्री

वर्धा, 05 जानेवारी 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील, दूरशिक्षण निदेशालयाच्या वतीने दूरशिक्षण माध्यमाद्वारे बी.एड. सत्र 2023-25 साठी 29 ते 31 जानेवारी रोजी 'शिक्षणात आईसीटीचा वापर' या विषयावर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाळेच्या उद्घाटनप्रसंगी अध्यक्षीय भाषण करताना विश्वविद्यालयाचे कुलगुरू डॉ. भीमराय मेत्री म्हणाले की शिक्षणात आयसीटी लागू करणे आवश्यक आहे. डिजिटल एज, चाट जीपीटी, क्लाउड कॉम्प्युटिंग, थ्रीडी पेंटिंग, जनरेटिंग एआय यांचा शिक्षणावर परिणाम होत आहे. शिक्षकांनी अध्यापनाच्या नवीन पद्धती वापरल्या पाहिजेत. विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक विकासासाठी चांगले शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करून देणे आवश्यक आहे. राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण-2020 चा उल्लेख करून ते म्हणाले की हे धोरण विद्यार्थ्यांना सैद्धांतिक ज्ञान, कौशल्य विकास, अनुभव प्रदान करते.

दूरशिक्षण संचालनालयाचे निदेशक व कार्यक्रमाचे विशेष वक्ता प्रो. आनंद पाटील म्हणाले की शिक्षकाने तंत्रज्ञानावर अवलंबून न राहता स्वावलंबी होणे गरजेचे आहे. आपण माणसाकडून यंत्राकडे वाटचाल करत आहोत, मात्र सकारात्मक परिणामासाठी भावनांना मशीनकडून माणसाकडे न्यावे लागते. यावेळी दूरशिक्षण संचालनालयाच्या एसोशिएट प्राध्यापिका डॉ.

प्रियंका मिश्रा, डॉ. शंभू जोशी, अतिथी प्राध्यापक डॉ. आदित्य चतुर्वेदी, सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी, अनुसंधान अधिकारी डॉ.परिमल प्रियदर्शी उपस्थित होते.

राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश, शिक्षण विभागाचे सहायक प्राध्यापक, डॉ. नरेंद्र सिंह यांनी 'पीपीटीची संकल्पना, रचना आणि नवकल्पना' या विषयावर तर 'शिक्षणात कृत्रिम बुद्धिमत्तेचा वापर' या विषयावर डॉ. एफ. एस. खान, सहायक प्राध्यापक, प्रगत शिक्षण संस्था, भोपाळ यांनी आपले सादरीकरण केले. डॉ. अंजनी कुमार राय यांचे 'युटिलिटी ऑफ लर्निंग मॅनेजमेंट सॉफ्टवेअर इन एज्युकेशन' या विषयावर व्याख्यान झाले. डॉ. निशांत सहायक प्राध्यापक, सेंट्रल युनिव्हर्सिटी, अरुणाचल प्रदेश यांनी शिक्षणाच्या दृष्टीकोनातून गूगल फॉर्मची निर्मिती, वापर आणि परिणाम या विषयावर सादरीकरण केले. डॉ. चंदन बोरा, सहायक प्राध्यापक, पदव्युत्तर विभाग, वाणिज्य आणि व्यवस्थापन विज्ञान, पीपल्स कॉलेज, नांदेड यांचे 'द आर्ट ऑफ इफेक्टिव्ह प्रेझेंटेशन' या विषयावर व्याख्यान झाले. एसएनडीटी पुणेचे सहयोगी प्राध्यापक डॉ. गणेश चव्हाण यांनी आधुनिक शिक्षणाच्या दृष्टीकोनातून मिश्रित शिक्षण दृष्टिकोन या विषयावर तर हिंदी विश्वविद्यालयाचे सहायक प्राध्यापक डॉ. धीरज मसराम यांनी शिक्षणामध्ये गूगल मीट, ज़ूम मीट च्या वापरावर भाषण दिले. केंद्रीय विद्यापीठ, तामिळनाडू येथील सहायक प्राध्यापक, डॉ. बिजु के. यांनी मुक्त शैक्षणिक संसाधनांची निर्मिती या विषयावर शालेय विद्यार्थ्यांच्या विशेष संदर्भासह सादरीकरण केले. हिंदी विश्वविद्यालयाचे अतिथी प्राध्यापक डॉ. गुणवंत सोनोने यांनी 'अध्यापन-शिक्षण प्रक्रियेत आयसीटीचा बहुआयामी उपयोग' या विषयावर, डॉ. मंदार भानुशे, विभागप्रमुख, विज्ञान आणि तंत्रज्ञान विभाग, आयडॉल विश्वविद्यालय, मुंबई यांनी 'ई- शिक्षणाच्या संदर्भात' अभ्यासक्रम तयार करणे आणि शैक्षणिक संसाधने मुक्त करणे' या विषयावर व्याख्यान दिले. हिंदी विश्वविद्यालयाचे सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रमोद जोशी यांनी शैक्षणिक ब्लॉग आणि शिक्षणाशी संबंधित व्हिडिओंची उपयुक्तता या विषयावर सादरीकरण केले. राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण 2020 च्या विशेष संदर्भात तंत्रज्ञानाचा वापर या विषयावर, हिंदी विश्वविद्यालयाचे सहायक प्राध्यापक डॉ. हेमचंद ससाणे यांनी तर डॉ. पर्गत सिंह गरचा, प्राचार्य, जी. एच.जी. लुधियाना यांनी सोशल मीडिया: एक प्रभावी माध्यम या विषयावर चर्चा केली.

समारोपीय सत्रात सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी यांचे विशेष भाषण झाले. कार्यशाळेचे समन्वयक डॉ. गुणवंत सोनोने यांनी अहवाल सादर केला. कार्यक्रमाचे संचालन डॉ. गुणवंत सोनोने व दूरशिक्षण संचालनालयाच्या अतिथी प्राध्यापक डॉ. तक्षा शंभरकर यांनी केले. आभार डॉ.शंभू जोशी यांनी मानले.राष्ट्रगीताने कार्यक्रमाची सांगता झाली.

कार्यशाळा सुरळीत पार पाडण्यासाठी दूरशिक्षण निदेशालयाचे डॉ. सचिन हाडके, गुरुदास उघडे, नीलिमा कांबळे, सचिन बोडखे, रामप्रवेश, संदीप राय, रोहिणी गायकवाड, आश्लेषा वानखडे, वैशाली भोयर आदींनी सहकार्य केले.